ICC द्वारा स्टॉप-क्लॉक सिस्टम की शुरुआत एवं ट्रांसजेंडर नीति में संशोधन

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

चर्चा में क्यों?

हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने खेल के नियमों में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने के उद्देश्य से अभूतपूर्व उपाय प्रस्तुत किये हैं।

- क्रिकेट में लगातार चुनौतियों का समाधान करते हुए **ICC ने स्टॉप-क्लॉक सिस्टम** की शुरुआत की एवं एक संशोधित ट्रांसजेंडर **नीति** द्वारा वैश्विक ध्यान आकर्षित किया है तथा साथ ही क्रिकेट समुदाय के भीतर चर्चाओं को भी जन्म दिया है।

ICC द्वारा हाल ही में उठाए गए प्रमुख कदम:

- **स्टॉप-क्लॉक सिस्टम:**
  - **परिचय**: स्टॉप-क्लॉक सिस्टम की शुरुआत का **उद्देश्य ओवरों के बीच समय की बर्बादी की लगातार समस्या का समाधान करने के साथ गेम प्ले दक्षता में वृद्धि** करना है।
    - यह **पहल 1 दिसंबर, 2023 से अप्रैल 2024 तक** जारी रहेगी।
    - वर्तमान नियमों के अनुसार, यदि पारी समाप्त होने के समय तक क्षेत्ररक्षण करने वाली टीम पीछे है, तो उन्हें इतने ओवरों के लिये **30-यार्ड सर्कल के अंदर** एक अतिरिक्त क्षेत्ररक्षण में लाना होगा।
      - लेकिन इसके बावजूद ऐसे कई उदाहरण थे जहाँ टीमें अभी भी पिछड़ी हुई पाई गईं।
  - **तंत्र:** एक बार ओवर समाप्त होने के बाद क्षेत्ररक्षण टीम को **अगले ओवर की तैयारी के लिये 60 सेकंड की अवधि** ही प्राप्त होती है।
    - मैच अधिकारी **एक ओवर पूरा होने पर स्टॉप-क्लॉक को सक्रिय** करेंगे।
    - निर्धारित समय के भीतर अनुपालन करने में विफलता के परिणामस्वरूप **पाँच रन का जुर्माना** लगाया जाएगा, जो **एक ही पारी में तीसरे उल्लंघन पर** लगाया जाएगा।
- **संशोधित ट्रांसजेंडर नीति:**
  - **परिचय:** किसी भी प्रकार के पुरुष युवावस्था से गुज़रने वाले पुरुष से महिला बनने वाले खिलाड़ी अब सर्जिकल अथवा लिंग पुनर्निर्धारण उपचार के बावजूद महिला अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में भाग लेने के लिये अयोग्य हैं।
    - पूर्व के अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के दिशा-निर्देशों के अनुसार, **ट्रांसजेंडर महिलाओं को 12 महीने तक टेस्टोस्टेरोन सीरम स्तर 5 नैनोमोल्स से नीचे बनाए रखना आवश्यक** था।
    - हालाँकि ICC के संशोधित रुख में अब उन व्यक्तियों को महिला अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में प्रतिस्पर्द्धा करने से बाहर रखा गया है, जिन्होंने पुरुष युवावस्था का अनुभव किया है।
  - **अन्य खेल संस्थाओं के साथ तुलनात्मक विश्लेषण**: ICC की संशोधित नीति अन्य खेल निकायों द्वारा अपनाए गए समान रुख को प्रतिध्वनित करती है:
    - विश्व एथलेटिक्स: पुरुष युवावस्था का अनुभव कर चुके **ट्रांसजेंडर एथलीटों** को महिला विश्व रैंकिंग प्रतियोगिताओं में भाग लेने से प्रतिबंधित करता है।
    - **FINA (तैराकी):** पुरुष युवावस्था के किसी भी चरण से गुज़रने वाले ट्रांसजेंडर एथलीटों को विशिष्ट महिलाओं की तैराकी में भाग लेने से प्रतिबंधित करता है।
    - **विश्व रग्बी:** ट्रांसजेंडर महिलाओं को महिलाओं के खेल के विशिष्ट एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्द्धा करने से प्रतिबंधित किया गया, जिससे अंतर्राष्ट्रीय खेल संघों के बीच इसी तरह के रुख का नेतृत्व किया गया।
- **अन्य उल्लेखनीय ICC अपडेट:**
  - **अंडर-19 विश्वकप**: सरकारी हस्तक्षेप के कारण श्रीलंका क्रिकेट के निलंबन के जवाब में ICC द्वारा **पुरुषों के अंडर-19 विश्व कप** को **श्रीलंका से दक्षिण अफ्रीका में स्थानांतरित** कर दिया।
    - यह निर्णय पारंपरिक रूप से पर्यटन तथा आतिथ्य पर निर्भर श्रीलंका की अर्थव्यवस्था पर महत्त्वपूर्ण प्रभाव डालता है।
  - वेतन समता: **मुख्य कार्यकारी अधिकारियों की समिति (CEC)** ने मैच में महिला अधिकारियों की वेतन वृद्धि का समर्थन किया है, जिससे जनवरी 2024 से **पुरुष एवं महिला क्रिकेट में ICC अंपायरों के लिये प्रति मैच दिवस समान वेतन सुनिश्चित** किया जा सके।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद क्या है?

- **ICC, क्रिकेट के लिये वैश्विक शासी निकाय** है। **108 सदस्यों का प्रतिनिधित्व** करते हुए ICC खेल का संचालन और प्रबंधन करता है साथ ही खेल को और अधिक विकसित करने के लिये अपने सदस्यों के साथ काम करता है।
- **वर्ष 1909 में इंपीरियल क्रिकेट कॉन्फ्रेंस (जैसा कि ICC को मूल रूप से कहा जाता था)** के गठन से एक संरचित अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट निकाय की शुरुआत हुई, जिसमें प्रारंभिक रूप से **इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया एवं दक्षिण अफ्रीका** शामिल थे।
    - हालाँकि **द्वितीय विश्व युद्ध** से पहले वेस्टइंडीज़ (वर्ष 1928), न्यूज़ीलैंड (वर्ष 1930) एवं भारत (वर्ष 1932) तथा उसके तुरंत बाद पाकिस्तान (वर्ष1952) शामिल हो गए।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. ICC विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. फाइनलिस्ट का फैसला उनके द्वारा जीते गए मैचों की संख्या के आधार पर किया गया।
2. न्यूज़ीलैंड ने इंग्लैंड की तुलना में अधिक मैच जीते थे, इसलिये उसे विजेता घोषित किया गया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (d)

व्याख्या:

- वर्ष 2021-2023, ICC विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का दूसरा संस्करण है। इसकी शुरुआत 4 अगस्त, 2021 को हुई और इसका समापन 31 मार्च, 2023 को हुआ।
- प्वाइंट सिस्टम का नया रूप
    - ICC द्वारा वर्ष 2020 में घोषणा की कि फाइनलिस्ट का फैसला अर्जित अंकों के प्रतिशत के आधार पर किया जाएगा। प्रति टेस्ट उपलब्ध अंकों की मात्रा को एक समान बना दिया गया है। यह प्रणाली किसी भी समय टीमों के सापेक्ष प्रदर्शन की तुलना करने की अनुमति देती है, जिसका अर्थ है कि किसी भी कारण से किसी भी मैच या शृंखला को रद्द करने से अंक तालिका पर सीधे प्रभाव नहीं पड़ता है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
    - न्यूज़ीलैंड उद्घाटन फाइनल के लिये क्वालीफाई करने वाली पहली टीम थी। 22 मैच खेलने के बाद वह अपनी रेटिंग यानी अंक (126) के कारण इंग्लैंड से आगे थी। वहीं इंग्लैंड को 35 मैच खेलने के बाद 107 रेटिंग प्राप्त हुई है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

अत: विकल्प (d) सही उत्तर है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/icc-introduces-stop-clock-system-and-revises-transgender-policy